नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 147
दि. 26.09.2025,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

प्रधानमंत्री आज बिहार की मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का शुभारंभ करेंगे

योजना का उद्देश्य स्वरोजगार और आजीविका के अवसरों से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है

योजना के तहत राज्य के प्रत्येक परिवार की एक महिला को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी

प्रधानमंत्री बिहार की 75 लाख महिलाओं को सीधे 7500 करोड़ रुपये हस्तांतरित करेंगे

प्रत्येक महिला को 10,000 रुपये के प्रारंभिक हस्तांतरण के साथ, बाद में 2 लाख रुपये तक की अतिरिक्त वित्तीय सहायता की गुंजाइश होगी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 26 सितंबर को सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बिहार की मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री बिहार की 75 लाख महिलाओं के बैंक खातों में सीधे 10-10 हजार रुपये, यानी कुल 7,500 करोड़ रुपये हस्तांतरित करेंगे।

बिहार सरकार की इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और स्व-रोजगार एवं आजीविका के अवसरों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। यह योजना राज्य के प्रत्येक परिवार की एक महिला को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी और वे अपनी पसंद का रोजगार या आजीविका गतिविधियां शुरू कर सकेंगी। इससे आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा।

इस योजना के तहत, प्रत्येक लाभार्थी को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से 10,000 रुपये का प्रारंभिक अनुदान मिलेगा, और बाद के चरणों में 2 लाख रुपये तक की अतिरिक्त वित्तीय सहायता की संभावना है। इस सहायता राशि का उपयोग लाभार्थी अपनी पसंद के क्षेत्रों में कर सकती हैं, इसमें कृषि, पशुपालन, हस्तशिल्प, सिलाई-बुनाई और अन्य लघु-स्तरीय उद्यम शामिल हैं।

यह योजना समुदाय-संचालित होगी और इसमें वित्तीय सहायता के साथ-साथ, स्वयं सहायता समूहों से जुड़े सामुदायिक संसाधन व्यक्ति उनके प्रयासों को समर्थन देने के लिए प्रशिक्षण भी प्रदान करेंगे।

अंत्योदय को राष्ट्रोदय में बदलने का विशिष्ट अवसर है यूपीआईटीएसः सीएम योगी

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस 2025) के मंच पर अंत्योदय के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय की पावन जयंती पर उन्हें याद किया। बोले कि उन्होंने अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के बारे में 70 वर्ष पहले नया चिंतन दिया था। उन्होंने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो अंत्योदय को राष्ट्रोदय में बदलने का विशिष्ट अवसर है। यह अवसर केवल ट्रेड शो का नहीं, बल्कि वर्तमान आर्थिक चुनौतियों का सामना करने के साथ ही आत्मनिर्भर भारत के स्वदेशी मॉडल व मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड के पीएम मोदी के विजन का स्वरूप भी है।

यूपीआईटीएस के तीसरे संस्करण में 80 देशों के 550 से अधिक बायर्स भी हिस्सा ले रहे हैं। यूपी के सभी 75 जनपदों से 2250 से अधिक

एग्जीबिटर्स सहभागी बने हैं। ब्रांड यूपी के उत्सव की चर्चा कर योगी ने कहा कि पिछले आठ-साढ़े आठ वर्ष में आई औद्योगिक क्रांति, परंपरागत उद्यम को फिर से दिया गया जीवनदान यूपी की समृद्ध- सांस्कृतिक विरासत तथा सामाजिक विविधता को ट्रेड शो प्रतिबिंबित कर रहा है। इसके जरिए यूपी को देश व दुनिया के सामने शोकेस करने का बेहतरीन प्लेटफॉर्म प्राप्त हुआ है।

नए भारत के नए यूपी व विकसित भारत के विकसित यूपी को बढ़ाने में कारगर साबित होगा आयोजन : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (तृतीय संस्करण) के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। उन्होंने फिरोजाबाद के शिल्पियों द्वारा बनाई गई मां दुर्गा की प्रतिमा प्रधानमंत्री को भेंट की।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति ने वृंदावन और मथुरा का दौरा किया

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (25 सितंबर, 2025) एक विशेष ट्रेन से नई दिल्ली से वृंदावन

(उत्तर प्रदेश) की यात्रा की।

अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान, उन्होंने वृंदावन और मथुरा के प्रमुख धार्मिक स्थलों का दौरा किया। राष्ट्रपति ने श्री बांके बिहारी मंदिर, निधिवन, सुदामा कुटी, कुब्जा कृष्ण

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने ₹स्वच्छता ही सेवा₹ अभियान का उत्साहपूर्वक आयोजन किया

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने "स्वच्छता ही सेवा" के अंतर्गत स्वच्छता और स्थिरता को प्रोत्साहन दिया

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत 1,000 पौधे वितरित किए गए

(जीएनएस)।

कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में, कोल इंडिया की सिंगरौली स्थित प्रमुख सहायक कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) 17 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2025 तक "स्वच्छता ही सेवा" अभियान उत्साहपूर्वक चला रही है।

एनसीएल स्वच्छता जागरूकता अभियान, सार्वजनिक स्थानों की सफाई, सीटीयू स्थलों की पहचान और सफाई, सफाई मित्र सुरक्षा

शिविर, इको-टूरिज्म और धार्मिक स्थलों का सौंदर्यीकरण, कार्यालय स्वच्छता पहल, "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत पौधारोपण अभियान, "धन्यवाद सफाई मित्र" कार्यक्रम, स्वच्छ और हरित महोत्सव समारोह, स्वच्छता पाठशाला और स्वच्छता संवाद के साथ-साथ रंगोली, निबंध लेखन, चित्रकला, नारा लेखन आदि जैसी रचनात्मक प्रतियोगिताओं सहित कई गतिविधियों का आयोजन कर रही है।

अभियान के एक भाग के रूप में, एनसीएल के जयंत क्षेत्र ने हाल ही में स्वच्छता एवं सफाई के बारे में जागरूकता बढ़ाने और अभियान में जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए सामुदायिक जनसंपर्क और स्वच्छता संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर, पर्यावरणीय स्थिरता को प्रोत्साहन देने वाले "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत 1,000

प्रधानमंत्री ने मेक इन इंडिया पहल के 11 वर्ष पूरे होने पर प्रसन्नता व्यक्त की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज मेक इन इंडिया पहल की 11वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारत के आर्थिक परिदृश्य और उद्यमशीलता इको-सिस्टम पर इसके परिवर्तनकारी प्रभाव को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की। श्री मोदी ने मेक इन इंडिया द्वारा भारत के उद्यमियों को दिए गए प्रोत्साहन और इसके वैश्विक प्रभाव की सराहना की। श्री मोदी ने लिखाः '11 वर्ष पहले इसी दिन, मेक इन इंडिया पहल की शुरूआत भारत के विकास को गति देने और हमारे देश की उद्यमशीलता क्षमता का दोहन करने के उद्देश्य से की गई थी। यह देखकर खुशी होती है कि आर्थिक मजबूती को बढ़ाने और आत्मनिर्भरता की नींव रखने में कैसे योगदान दिया है। इसने सभी क्षेत्रों में नवाचार और रोजगार सृजन को प्रोत्साहित किया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शो को संबोधित किया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शो 2025 का उद्घाटन करते हुए इस मेले में भाग लेने वाले सभी व्यापारियों, निवेशकों, उद्यमियों और युवा प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस आयोजन में 2,200 से अधिक प्रदर्शक अपने उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। श्री मोदी ने उल्ेख किया कि इस बार के व्यापार शो में रूस भागीदार देश है और यह समय की कसौटी पर खरी उतरी साझेदारी को और मजबूत बनाता है। उन्होंने इस आयोजन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सरकार के सहयोगियों और अन्य हितधारकों को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस शो का आयोजन पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के साथ किया जा रहा है, जिन्होंने राष्ट्र को अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए अंत्योदय के पथ पर अग्रसर किया। उन्होंने कहा कि अंत्योदय का अर्थ यह सुनिश्चित करना है कि विकास सबसे गरीब व्यक्ति तक पहुंचे और सभी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करे। उन्होंने कहा कि भारत अब समावेशी विकास का यही मॉडल दुनिया में प्रस्तुत कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने एक उदाहरण देते हुए भारत के फिनटेक क्षेत्र की वैश्विक मान्यता का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र की सबसे

महत्वपूर्ण विशेषता समावेशी विकास में इसका योगदान है। श्री मोदी ने कहा कि भारत ने सभी को साथ लेकर चलने वाले यूपीआई, आधार, डिजिलॉकर और ओएनडीसी जैसे खुले मंच तैयार किए हैं और यह सभी को समान अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने "सबके लिए मंच, सबकी प्रगति" के सिद्धांत पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन मंचों का प्रभाव पूरे भारत में दिखाई दे रहा है, जहां मॉल में खरीदारी करने वाले और सड़क किनारे चाय बेचने वाले, दोनों ही यूपीआई का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि औपचारिक ऋण, जो कभी केवल बड़ी कंपनियों के लिए सुलभ था, अब पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से रेहड़ी-पटरी वालों तक पहुंच रहा है।

सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) को एक और परिवर्तनकारी उदाहरण बताते हुए श्री मोदी ने याद दिलाया कि एक समय था जब सरकार को सामान बेचना केवल बड़े व्यापारियों तक ही सीमित था। आज, लगभग 25 लाख विक्रेता और सेवा प्रदाता जेम पोर्टल से जुड़े हैं। इनमें छोटे व्यापारी, उद्यमी और दुकानदार शामिल हैं जो अब सीधे भारत सरकार को सामान बेच सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने अब तक जेम के माध्यम से 15 लाख करोड़ रुपये मूल्य की वस्तुओं और सेवाओं की खरीद की है। इसमें से लगभग 7 लाख करोड़ रुपये की खरीदारी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम तथा छोटे उद्योगों से की गई है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में ऐसा परिदृश्य अकल्पनीय था। अब, देश के सुदूर कोने में एक छोटा दुकानदार भी जेम पोर्टल पर उत्पाद बेच रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यही अंत्योदय का सार और भारत के विकास मॉडल की आधार है।

वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने के अपने लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहे भारत का उल्ेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक व्यवधानों और अनिश्चितताओं के बावजूद, भारत की वृद्धि शानदार बनी हुई है। उन्होंने कहा कि व्यवधान भारत को भटकाते नहीं हैं—वे नई दिशाएं प्रदान करते हैं। इन चुनौतियों के बीच, भारत आने वाले दशकों के लिए एक मजबूत आधारशिला रख रहा है।

श्री मोदी ने दोहराया कि देश का संकल्प और मार्गदर्शक मंत्र आत्मनिर्भर भारत है। उन्होंने कहा कि दूसरों पर निर्भरता से बड़ी कोई लाचारी नहीं है। बदलती दुनिया में, कोई देश जितना अधिक दूसरों पर निर्भर होता है, उसकी वृद्धि उतनी ही प्रभावित होती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनना होगा। भारत में निर्मित किए जा सकने वाले हर उत्पाद का निर्माण भारत में ही होना चाहिए। उद्यमियों, व्यापारियों और नवप्रवर्तकों की विशाल सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि वे आत्मनिर्भर भारत अभियान के प्रमुख हितधारक हैं। प्रधानमंत्री उनसे ऐसे व्यावसायिक मॉडल तैयार करने का आग्रह किया जो भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करें।

प्रधानमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय को उनकी जयंती के अवसर पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भारत की वैचारिक और विकास यात्रा में उनके अप्रतिम योगदान का स्मरण किया। पीएम ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंतिम पायदान पर उपस्थित व्यक्ति के उत्थान से जुड़ा उनका एकात्म मानववाद का दर्शन और अंत्योदय का दृष्टिकोण भारत के विकास मॉडल को प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कहा कि यह सिद्धांत समावेशी विकास और राष्ट्र निर्माण के प्रति सरकार के दृष्टिकोण में पूर्ण रूप से समाहित हैं। एक्स पर अपनी एक पोस्ट में श्री मोदी ने कहाः 'भारत माता के महान सपूत और एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को उनकी जयंती पर कोटिशः नमन।

आयुष मंत्रालय ने संगठन वैश्विक शिखर सम्मेलन की सह-मेजबानी के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए

(जीएनएस)।

आयुष मंत्रालय ने आज विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ पारंपरिक चिकित्सा पर दूसरे डब्ल्यूएचओ वैश्विक शिखर सम्मेलन की सह-मेजबानी के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस शिखर सम्मेलन का विषय होगाः "लोगों और ग्रह के लिए संतुलन बहाल करनाः कल्याण का विज्ञान और अभ्यास"।

शिखर सम्मेलन 17 से 19 दिसंबर 2025 तक नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।

आगामी शिखर सम्मेलन की गतिविधियों और प्रगति की निगरानी के लिए आयोजित द्वितीय शिखर सम्मेलन योजना समूह की बैठक के दौरान केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव और आयुष मंत्रालय के सचिव की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

आयुष मंत्रालय ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ साझेदारी में साक्ष्य-आधारित पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जो मानव और ग्रह के कल्याण में योगदान देती हैं।

यह वैश्विक शिखर सम्मेलन वैश्विक स्वास्थ्य और सतत विकास में पारंपरिक चिकित्सा की भूमिका को आगे बढ़ाने के लिए विशेषज्ञों, नीति निमार्ताओं और हितधारकों को एक साथ लाने वाला एक महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय मंच के रूप में कार्य करेगा।

आयुष मंत्रालय ने विश्व स्वास्थ्य

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल नवरात्रि के चौथे दिन अहमदाबाद में नगरदेवी श्री भद्रकाली माताजी के दर्शन कर स्वच्छता अभियान के तहत महा श्रमदान में शामिल हुए

(जीएनएस)।

गांधीनगर, 25 सितंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने शारदीय नवरात्र के चौथे दिन गुरुवार को अहमदाबाद की नगर देवी श्री भद्रकाली माताजी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की।

मुख्यमंत्री ने एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती 25 सितंबर को 'स्वच्छता ही सेवा' के अंतर्गत आयोजित किए गए महा श्रमदान में सहभागी हुए और भद्रकाली मंदिर के प्रांगण में साफ-सफाई की।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से राष्ट्रपिता पूज्य महात्मा गांधी जी की जयंती 2 अक्टूबर-2025 तक 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत राज्य में स्वच्छता पखवाड़ा मनाने का आयोजन किया गया है।

स्वच्छता ही सेवा-2025 अभियान के अंतर्गत अब तक अहमदाबाद शहर में 2.97 लाख से अधिक नागरिक स्वैच्छिक रूप से स्वच्छता की गतिविधियों में शामिल हुए हैं।

अभियान के तहत 1877 मीट्रिक टन से अधिक कूड़ा एकत्रित कर उसका वैज्ञानिक तरीके से निपटान किया गया है। इसके अलावा, शहर की लगभग 5495 मुख्य सड़कों, 3677 वाणिज्यिक क्षेत्रों तथा 3229 से अधिक रिहायशी इलाकों की साफ-सफाई भी शुरू की गई है।

मुख्यमंत्री ने भद्रकाली मंदिर क्षेत्र में सफाई श्रमदान के दौरान राहे खेर गर्ल्स हाईस्कूल, खमासा की छात्राओं से मुलाकात की और उनके द्वारा स्वच्छता पर तैयार किए गए चित्रों का अवलोकन किया। उन्होंने छात्राओं को स्वच्छता का संदेश इसी प्रकार जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया।

इससे पहले, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर अनुपम ब्रिज के पास उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर अहमदाबाद की महापौर श्रीमती प्रतिभा जैन, स्थानीय विधायक सर्वश्री अमितभाई ठाकर, कौशिकभाई जैन, अमूलभआई भट्ट, श्रीमती दर्शनाबेन वाघेला, दिनेशभाई कुशवाह, जीतूभाई पटेल, शहर के अग्रणी श्री प्रेरकभाई शाह और श्री भूषणभाई भट्ट, मनपा स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री देवांगभाई दाणी, अहमदाबाद महानगर पालिका के पदाधिकारी और अधिकारियों सहित नागरिक उपस्थित रहे।

पश्चिम रेलवे द्वारा उधना एवं ब्रह्मपुर के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस की शुरूआत

मुंबई, अमृत भारत एक्सप्रेस आम आदमी को आधुनिक, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा प्रदान करने के भारतीय रेल के निरंतर प्रयासों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह ट्रेन तकनीकी रूप से उन्नत है और लंबी दूरी के यात्रियों को बेहतर सुविधाओं, बेहतर सुरक्षा और किफायती किराए पर आधुनिक यात्रा का अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई है। दोनों तरफ पुश-पुल कॉन्फिगरेशन में लगे इंजनों के साथ यह ट्रेन तेज गति, यात्रा समय में कमी और एक सुगम एवं आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करती है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण निम्नानुसार है:

- ट्रेन संख्या 19021/19022 उधना-ब्रह्मपुर अमृत भारत एक्सप्रेस (साप्ताहिक):

ट्रेन संख्या 19021 उधना-ब्रह्मपुर अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक रविवार को उधना से 07:10 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13:55 बजे ब्रह्मपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन 5 अक्टूबर, 2025 से चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 19022 ब्रह्मपुर-उधना अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक सोमवार को ब्रह्मपुर से 23:45 बजे प्रस्थान करेगी और बुधवार को 08:45 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 6 अक्टूबर, 2025 से चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बारडोली, व्यारा, नवापुर, नंदुरबार, दोंडाइचा, सिंदखेड़ा, अमलनेर, धरणगांव, जलगांव, भुसावल, मलकापुर, अकोला, बडनेरा, वर्धा, नागपुर, गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, महासमुंद, खरियार रोड, कांटाबांजी, टिटलागढ़, केसिंगा, मुनिगुडा, रायगडा, पार्वतीपुरम, बोब्बिली, विजयनगरम, श्रीकाकुलम रोड और पलासा स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 19021 की बुकिंग 26 सितंबर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

दूरसंचार विभाग और वित्तीय खुफिया इकाई-भारत ने साइबर अपराधों और वित्तीय धोखाधड़ी से निपटने के लिए ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

वास्तविक समय में वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम डेटा का आदान-प्रदान साइबर सुरक्षा प्रयासों को बढ़ावा देगा

दूरसंचार विभाग और एफआईयू-आईएनडी साझेदारी सुरक्षित डिजिटल भुगतानों के लिए धोखाधड़ी वाले मोबाइल नंबरों का शीघ्र पता लगाने में सहायक है

दूरसंचार विभाग का डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म 600 से अधिक हितधारकों के साथ सुरक्षा सहयोग को ओर मजबूत करेगा

(जीएनएस)।

साइबर अपराधों और वित्तीय धोखाधड़ी में दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग के खिलाफ भारत की लड़ाई को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में दूरसंचार विभाग (डीओटी) और वित्तीय खुफिया इकाई-भारत (एफआईयू-आईएनडी) ने आज सूचना साझाकरण और समन्वय बढ़ाने के लिए एक व्यापक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

इस समझौता ज्ञापन पर दूरसंचार विभाग के उप महानिदेशक (एआई एवं डिजिटल इंटेलिजेंस यूनिट - डीआईयू) श्री संजीव कुमार शर्मा और एफआईयू-भारत के निदेशक श्री अमित मोहन गोविल ने दूरसंचार

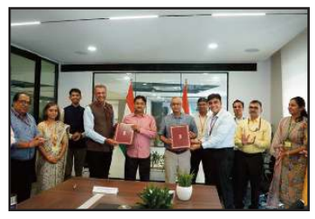

सचिव डॉ. नीरज मित्तल और राजस्व सचिव श्री अरविंद श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। यह समझौता दूरसंचार विभाग की डिजिटल इंटेलिजेंस यूनिट (डीआईयू) और देश की शीर्ष वित्तीय खुफिया एजेंसी के बीच सहयोगात्मक खुफिया जानकारी साझा करने के एक नए युग की शुरूआत को दर्शाता है।

इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. नीरज मित्तल ने विभागों में प्रौद्योगिकी बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी आगे बढ़ रही है, विभागों ने अपने-अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए इसका भरपूर लाभ उठाया है। हालांकि यह एक जरूरी पहला कदम है, लेकिन सच्ची प्रगति विभागीय सीमाओं से आगे बढ़कर मौजूदा कमियों को दूर करने में निहित है। एक-दूसरे से सीखकर तालमेल विकसित करना बेहद जरूरी है।" डॉ. मित्तल ने आगे कहा, "अगले कदम के रूप में हम एक संयुक्त कार्य समूह के गठन पर विचार कर सकते हैं, जिसमें मुखौटा कंपनियों की पहचान करने और गहन, सहयोगात्मक विश्लेषण और पता लगाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।"

राजस्व सचिव श्री अरविंद श्रीवास्तव ने प्रौद्योगिकी संबंधी क्षमता को अधिकतम करने में साझेदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "यह एक उत्कृष्ट सहयोग है जहां दोनों पक्ष एक-दूसरे की प्रणालियों को बेहतर बनाने में योगदान करते हैं। इस साझेदारी की प्रौद्योगिकी-संचालित प्रकृति को देखते हुए मुझे विश्वास है कि यह सटीकता और समयबद्धता के मामले में उच्च दक्षता प्रदान करेगी, जिससे हम डेटा का सर्वोत्तम उपयोग कर पाएंगे।"

साझेदारी की मुख्य विशेषताएं

उन्नत डेटा साझाकरण तंत्र:

वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम संकेतक (एफआरआई) डेटा का वास्तविक समय में साझाकरण, जो वित्तीय धोखाधड़ी के साथ उनके संबंध के आधार पर मोबाइल नंबरों को मध्यम, उच्च या बहुत उच्च जोखिम के रूप में वर्गीकृत करता है।

दूरसंचार विभाग मोबाइल नंबर निरस्तीकरण सूची (एमएनआरएल) डेटा को, जिसमें ऐसे डिस्कनेक्शन की तारीख और कारण भी शामिल होगा, स्वचालित आधार पर एफआईयू-आईएनडी के साथ साझा करेगा।

एफआईयू-आईएन साइबर धोखाधड़ी और मनी म्यूल गतिविधियों से संबंधित संदिग्ध लेनदेन रिपोर्ट (एसटीआर) में शामिल खातों से जुड़े

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' के अंतर्गत 'श्रमदान' का आयोजन

मुंबई, 25 सितंबर, 2025

'एक राष्ट्र - एक घंटा - स्वच्छ भारत के लिए एक साथ!'

स्वच्छता और पर्यावरण स्थिरता के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता के एक उल्लेखनीय प्रदर्शन में, पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के तहत 25 सितंबर 2025 को मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' थीम के अंतर्गत एक बृहत श्रमदान गतिविधि का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस पहल में रेलवे बोर्ड के अतिरिक्त सदस्य (आरई) श्री रामेंद्र कुमार तिवारी, पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार, पश्चिम रेलवे मुख्यालय और मुंबई सेंट्रल मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों, मुख्यालय, मंडल और मुंबई सेंट्रल स्टेशन के कर्मचारियों, साथ ही स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया

और एक स्वच्छ एवं हरित सार्वजनिक पर्यावरण के लिए एकजुटता की भावना का प्रदर्शन किया। इस अभियान में स्टेशन के सबसे व्यस्त और चुनौतीपूर्ण हिस्सों में से एक, पार्सल कार्यालय क्षेत्र में व्यापक सफाई गतिविधियाँ शामिल थीं, जिससे भारतीय रेल के स्वच्छ और यात्री-अनुकूल परिसर प्रदान करने के मिशन को बल मिला।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, श्रमदान अभियान केवल सफाई गतिविधियों तक सीमित नहीं था, बल्कि नागरिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने वाला एक समग्र अभियान था। पार्सल कार्यालय क्षेत्र में गहन सफाई अभियान में 50 से अधिक रेलवे अधिकारियों ने भाग लिया। लोअर परेल वर्कशॉप की रेलवे सांस्कृतिक टीम द्वारा मुख्य प्रतीक्षालय में प्रस्तुत एक मनमोहक नुक्कड़ नाटक ने 120 से अधिक यात्रियों को आकर्षित किया, जिसमें स्वच्छता, अपशिष्ट पृथक्करण और व्यवहार परिवर्तन का संदेश दिया गया। पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता के एक प्रतीकात्मक संकेत के रूप में, मुंबई सेंट्रल के सकुर्लेंटिंग गार्डन क्षेत्र में वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया, जिसमें रेलवे बोर्ड के अतिरिक्त सदस्य (आरई) श्री रामेंद्र कुमार तिवारी और पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार ने पौधे लगाए।

यह पहल स्वच्छ भारत मिशन के प्रति पश्चिम रेलवे की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है तथा स्वच्छ, हरित एवं सौंदर्यपरक रेलवे पारिस्थितिकी तंत्र के

एक दिन एक घंटा एक साथः भारत सरकार के खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने राष्ट्रव्यापी श्रमदान किया

(जीएनएस)।

भारत सरकार के खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग और उसके कई सार्वजनिक उपक्रमों/ संबद्ध/ अधीनस्थ अधिकारियों ने 25 सितंबर, 2025 को सुबह 8 बजे पूरे देश में "एक दिन एक घंटा एक साथ" कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता गतिविधियों के साथ एक और उपलब्धि हासिल की।

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) ने "एक दिन, एक घंटा, एक साथः स्वच्छता ही सेवा 2025" अभियान के अंतर्गत राष्ट्रव्यापी श्रमदान के अंतर्गत नई दिल्ली के बाबा खड़क सिंह मार्ग स्थित हनुमान मंदिर के बाहरी परिसर में सफाई अभियान चलाया। विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस अभियान में बड़े पैमाने पर उत्साहपूर्वक भाग लिया। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता सुनिश्चित करना, सफाई व्यवस्था में सुधार लाना और आम जनता में स्वच्छता और अपशिष्ट के उचित निपटान के बारे में जागरूकता पैदा करना था। अपने एक घंटे के सामूहिक श्रमदान से विभाग के कर्मचारियों ने एक स्वच्छ, स्वस्थ और कचरा मुक्त भारत सुनिश्चित करने का प्रयास किया।

इसके अतिरिक्त, विभाग के

विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों/ अधीनस्थ कार्यालयों की ओर से अनेक गतिविधियां आयोजित की गईं।

हापुड़ स्थित भारतीय अनाज प्रबंधन एवं अनुसंधान संस्थान (आईजीएमआरआई) ने हापुड़ बस डिपो पर स्वच्छता अभियान चलाया, जबकि लुधियाना स्थित आईजीएमआरआई ने आईएसबीटी, लुधियाना में इस अभियान को चलाया।

केंद्रीय भंडारण निगम (सीडब्ल्यूसी) की टीम ने राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान - "एक दिन, एक साथ, एक घंटा" में सक्रिय रूप से भाग लेकर सामुदायिक कल्याण के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। मयूर विहार स्थित आरडब्ल्यूए पार्क में श्रमदान किया गया। इस अवसर पर एक अत्यंत प्रेरित टीम ने ऊर्जा, उत्साह और सच्ची टीम भावना के साथ एकजुट होकर सार्वजनिक स्थल की सफाई और सौंदर्यीकरण के लिए एक घंटा समर्पित किया। यह प्रभावशाली प्रयास एक स्वच्छ, स्वस्थ और अधिक उत्तरदायी भारत के उनके साझा दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करता है। सामूहिक कार्रवाई और नागरिक गौरव के जरिए, वे स्वच्छ भारत अभियान के मिशन का सहयोग करते रहेंगे।

विभाग के एक अन्य सार्वजनिक उपक्रम, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने भारत में अपने मुख्यालय, क्षेत्रीय और जिला कार्यालयों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। इस अभियान का उद्देश्य "स्वच्छता ही सेवा" अभियान के अंतर्गत एक स्वच्छ भारत के निर्माण में सामूहिक योगदान को प्रोत्साहन देना था। वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में, विभिन्न क्षेत्रीय और जिला स्तरीय कार्यालयों के कर्मचारियों ने इस अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

भावनगर मंडल में रेलवे एवं एनडीआरएफ टीम द्वारा मॉक ड्रिल का आयोजन

पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल के भावनगर टर्मिनस स्टेशन यार्ड में रेलवे बोर्ड की गाइडलाइन के अनुरूप 25 सितम्बर, 2025 (गुरुवार) को रेलवे एवं एनडीआरएफ (वडोदरा) टीम के संयुक्त प्रयास से आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को परखने हेतु एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने बताया कि किसी भी आकस्मिक स्थिति से त्वरित एवं प्रभावी ढंग से निपटने के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षित करना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से आयोजित इस मॉक ड्रिल में शंटिंग के दौरान यात्री कोच के दूसरे कोच से टकराने एवं उसमें आग लगने की काल्पनिक स्थिति का सृजन किया गया। इस दौरान घायल यात्रियों को कोच से निकालकर उन्हें अस्पताल पहुँचाने का अभ्यास किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत सुबह 10.00 बजे सूचना प्राप्त होते ही ओन-ड्यूटी स्टेशन अधीक्षक द्वारा कंट्रोल सहित

अन्य विभागों को सतर्क किया गया। तत्काल एम्बुलेंस, दुर्घटना राहत ट्रेन एवं अन्य आवश्यक संसाधन घटनास्थल पर बुलाए गए। वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री सोनू कुमार के दिशा-निर्देश में रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों एवं एनडीआरएफ टीम ने संयुक्त रूप से बचाव एवं राहत कार्य को अंजाम दिया। इस दौरान राज्य सरकार की 6 एम्बुलेंस, रेलवे अस्पताल की 1 एम्बुलेंस तथा फायर ब्रिगेड का एक वाहन भी सक्रिय रूप से शामिल रहा। एनडीआरएफ-6 बटालियन (वडोदरा) के कमांडेंट द्वारा मौके पर दल को बचाव कार्य की बारीकियों एवं आवश्यक सावधानियों के बारे में विस्तार से बताया गया।

इस मॉक ड्रिल में मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा सहित सभी विभागों के अधिकारी एवं ओपरेटिंग, टेलिकॉम, सिग्नल, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिक, मेडिकल, कर्षण, रेल सुरक्षा बल, कोचिंग डिपो, वाणिज्य, लोकोमोटिव तथा सेफ्टी विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। इस आयोजन में एनडीआरएफ-6 बटालियन (वडोदरा) के 40 सदस्यों सहित राज्य सरकार के कर्मचारियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। लगभग 250 से अधिक सदस्यों की भागीदारी के साथ संपन्न इस मॉक ड्रिल ने रेलवे एवं आपदा प्रबंधन दल की तत्परता और समन्वय का प्रभावी प्रदर्शन किया।

केंद्र ने राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में सदस्य पद के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए

(जीएनएस)।

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अंतर्गत उपभोक्ता मामले विभाग ने राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में सदस्य के एक रिक्त पद और एनसीडीआरसी के सदस्य पद के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि तक किसी भी अन्य प्रत्याशित रिक्ति को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। सर्वोच्च उपभोक्ता आयोग, एनसीडीआरसी, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के अंतर्गत बना एक अर्ध-न्यायिक निकाय है। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।

उपभोक्ता मामले विभाग ने 24 अक्टूबर, 2025 तक केवल ऑनलाइन माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए हैं ।

किसी भी उम्मीदवार की नियुक्ति, योग्यता, पात्रता, वेतन और अन्य नियम व शर्तें न्यायाधिकरण सुधार अधिनियम और न्यायाधिकरण (सेवा की शर्तें) नियम, 2021 के प्रावधानों द्वारा शासित होंगी।

इस पद पर नियुक्ति के लिए नामों की सिफारिश हेतु न्यायाधिकरण सुधार अधिनियम 2021 के अंतर्गत गठित समिति, उम्मीदवारों की योग्यता और अनुभव के अधार पर आवेदनों की जाँच करेगी और व्यक्तिगत बातचीत के लिए उम्मीदवारों का चयन करेगी। अंतिम चयन, योग्यता, अनुभव और व्यक्तिगत बातचीत के आधार पर समिति द्वारा उम्मीदवारों के समग्र मूल्यांकन के आधार पर किया जाएगा।

योग्य एवं इच्छुक उम्मीदवारों से 25.09.2025 से URL: https://jagograhakjago.gov.in/NCDRC के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि 24.10.2025 है। जहाँ भी लागू हो, ऑनलाइन जमा किए गए आवेदन की एक प्रति निर्धारित दस्तावेजों के साथ उचित माध्यम से अवर सचिव (सीपीयू), उपभोक्ता मामले विभाग, कमरा संख्या 466-ए, कृषि भवन, नई दिल्ली को 24 अक्टूबर, 2025 तक जमा की जा सकती है ।

भावनगर मंडल एक बार फिर बना भारतीय रेलवे का अग्रणी मंडल - 5996 कर्मचारियों को आदेश जारी होने के दो घंटे के भीतर किया बोनस का भुगतान

भावनगर मंडल ने एक बार फिर अपनी कार्यकुशलता और तत्परता का परिचय देते हुए वर्ष 2024-25 के लिए घोषित प्रोडक्टिविटी लिंक बोनस (ढछइ) के अंतर्गत मंडल ने अपने 5996 ग्रुप 'सी' एवं 'डी' श्रेणी के कर्मचारियों को कुल रु.10,48,99,048/- (दस करोड़ अड़तालीस लाख निन्यानवे हजार अड़तालीस रुपये) का भुगतान एक साथ कर गौरव प्राप्त किया है।

भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि भारत सरकार एवं रेल मंत्रालय द्वारा 24 सितंबर 2025 को रेलवे कर्मचारियों के लिए 78 दिनों के बोनस की घोषणा की गई थी। संबंधित सर्कुलर रेल मंत्रालय द्वारा सायं 7:00 बजे जारी किया गया। वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन के नेतृत्व में सैलरी बिल अनुभाग एवं वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक श्री मोहित पंचाल के नेतृत्व में अकाउंट्स विभाग की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए बोनस की संपूर्ण राशि को प्रोसेस कर बैंक को उसी दिन 20.00 बजे भुगतान हेतु भेज दिया, जिससे सभी कर्मचारियों के बैंक खातों में राशि दिनांक 24/09/2025 को ही 21.00 बजे क्रेडिट कर दी गई।

यह उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष भी भावनगर मंडल ने बोनस भुगतान के मामले में भारतीय रेल का पहला मंडल बनने की उपलब्धि हासिल की थी। जिसके लिए संबंधित अनुभाग के कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया था।

भावनगर मंडल की इस उपलब्धि के लिए श्री दिनेश वर्मा, मंडल रेल प्रबंधक सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने कर्मचारियों के कल्याण और संतोष के प्रति मंडल की इस प्रतिबद्धता एवं समर्पित कार्य की सराहना की है।

भावनगर रेलवे मंडल के 9 स्टेशनों पर यात्री आरक्षण प्रणाली के समय में परिवर्तन

पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंडल के 9 स्टेशनों पर यात्री आरक्षण प्रणाली (ढफर) काउंटर के समय में परिवर्तन किया गया है। यह नई व्यवस्था आगामी 01 अक्टूबर, 2025 (बुधवार) से प्रभावी होगी।

भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि नई समय-सारणी से यात्रियों को आरक्षण टिकट प्राप्त करने में अधिक सुविधा होगी। विस्तृत विवरण इस प्रकार है:-

1. जोरावरनगर स्टेशन पर सोमवार से शनिवार दो पालियों में आरक्षण सेवा कार्यरत होगी। पहली पाली का समय सुबह 08.00 बजे से 12.00 बजे तक तथा दूसरी पाली का समय दोपहर 14.00 बजे से 18.00 बजे तक रहेगा। रविवार के दिन आरक्षण सेवा का समय सुबह 8.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक रहेगा।

2. वढ़वाण सीटी स्टेशन पर सोमवार से शनिवार दो पालियों में आरक्षण सेवा कार्यरत होगी। पहली पाली का समय सुबह 08.00 बजे से 13.00 बजे तक तथा दूसरी पाली का समय दोपहर 15.00 बजे से 19.00 बजे तक रहेगा। रविवार के दिन आरक्षण सेवा का समय सुबह 8.00 बजे से दोपहर 13.00 बजे तक रहेगा।

3. लींबडी स्टेशन पर सोमवार से शनिवार दो पालियों में आरक्षण सेवा कार्यरत होगी। पहली पाली का समय सुबह 08.00 बजे से 12.00 बजे तक तथा दूसरी पाली का समय दोपहर 16.00 बजे से 19.00 बजे तक रहेगा। रविवार के दिन आरक्षण सेवा का समय सुबह 8.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक रहेगा।

4. मालीया हाटीना स्टेशन पर सोमवार से शनिवार दो पालियों में आरक्षण सेवा कार्यरत होगी। पहली पाली का समय सुबह 08.00 बजे से 12.00 बजे तक तथा दूसरी पाली का समय शाम 17.00 बजे से 18.00 बजे तक रहेगा। रविवार के दिन आरक्षण सेवा का समय सुबह 8.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक रहेगा।

5. जेतलसर स्टेशन पर सोमवार से शनिवार दो पालियों में आरक्षण सेवा कार्यरत होगी। पहली पाली का समय सुबह 08.00 बजे से 11.30 बजे तक तथा दूसरी पाली का समय दोपहर 16.30 बजे से 18.00 बजे तक रहेगा। रविवार के दिन आरक्षण सेवा का समय सुबह 8.00 बजे से 11.30 बजे तक रहेगा।

6. दामनगर स्टेशन पर सोमवार से शनिवार दो पालियों में आरक्षण सेवा कार्यरत होगी। पहली पाली का समय सुबह 08.00 बजे से 11.30 बजे तक तथा दूसरी पाली का समय शाम 17.30 बजे से 19.00 बजे तक रहेगा। रविवार के दिन आरक्षण सेवा का समय सुबह 8.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक रहेगा।

7. विरपुर स्टेशन पर प्रतिदिन केवल एक पाली में आरक्षण सेवा कार्यरत होगी। इसका समय प्रतिदिन सुबह 08.00 बजे से दोपहर 14.00 बजे तक रहेगा।

8. सासण गीर स्टेशन पर प्रतिदिन केवल एक पाली में आरक्षण सेवा कार्यरत होगी। इसका समय प्रतिदिन सुबह 08.00 बजे से दोपहर 14.00 बजे तक रहेगा।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत दिल्ली के पुराना किला में श्रमदान और पौधरोपण अभियान

(जीएनएस)।

संस्कृति मंत्रालय ने बड़े उत्साह और जोश के साथ, 25 सितंबर 2025 को नई दिल्ली के ऐतिहासिक पुराना किला में "एक दिन, एक घंटा, एक साथ" श्रमदान अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह आयोजन 17 सितंबर, 2025 से 2 अक्टूबर, 2025 तक संस्कृति मंत्रालय के सभी 43 संगठनों द्वारा मनाए जा रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान का हिस्सा है।

इस कार्यक्रम में संस्कृति मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सैकड़ों अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने सामूहिक रूप से पुराने किले के हुमायूँ गेट के पास हरे-भरे लॉन और आसपास के क्षेत्रों की सफाई के लिए एक घंटे का समय दिया।

इस अभियान का नेतृत्व भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक (डीजी) ने किया। उन्होंने सभी अधिकारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाकर इस अभियान की शुरूआत की, जिससे स्वच्छता और पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को बल मिला।

श्रमदान के दौरान एकत्रित कचरे को सावधानीपूर्वक अलग किया गया और स्थापित अपशिष्ट प्रबंधन प्रोटोकॉल के अनुसार उसका निपटान किया गया। सफाई अभियान के बाद, पुराना किला परिसर में कुंती माता मंदिर के पास पौधरोपण अभियान चलाया गया।

इस पौधरोपण अभियान का विशेष आकर्षण महानिदेशक (एएसआई) द्वारा कल्प पौधे का रोपण था - जिसे प्रतीकात्मक रूप से "इच्छापूर्ति वृक्ष" कहा जाता है - जो विकास, समृद्धि और स्थिरता का प्रतीक है। इसके अतिरिक्त, संस्कृति मंत्रालय में संयुक्त सचिव श्री गुरमीत सिंह चावला और मंत्रालय तथा एएसआई के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने पीपल, आम, नींबू, करोंदा और आंवला सहित विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए, जिससे इस स्थल के हरित आवरण और पारिस्थितिक संतुलन को बढ़ाने में योगदान मिला। कार्यक्रम का समापन सफाई मित्रों, मालियों और अन्य जमीनी स्तर के कर्मचारियों को स्वच्छता किट वितरित करने के साथ हुआ। इसमें सांस्कृतिक विरासत स्थलों पर स्वच्छता और सफाई बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया गया।

यह अभियान न केवल स्वच्छता और स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में सशक्त कदम होगा, बल्कि सामूहिक सामुदायिक कार्रवाई के माध्यम से प्लास्टिक में कमी, प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन और हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के महत्व को उजागर करने वाली जागरूकता पहल भी होगी।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

लेह में जनता का रौद्र रूप

लद्दाख शांत और अहिंसा परमो धर्मः के प्रति निष्ठावान नागरिकों की जन्मस्थली और कर्म स्थली रही है किन्तु बुधवार को जिस तरह लेह में वहां के लोगों ने रौद्र रूप दिखाते हुए बवाल किया। जिसमें सीआरपीएफ के वाहन, पुलिस के वाहन, भारतीय जनता पाटा हिल कौंसिल के कार्यालय एवं अन्य सरकारी भवनों को जला डाला। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हुई और 80 लोग घायल हुए। उससे एक बात तो स्पष्ट है कि अकेले सोनम वांगचुक ने न तो इस आंदोलन को हिंसक बनाया और न ही लद्दाख के आम लोगों ने इस आंदोलन की परिणति को बारूदी बनाया। हिंसा की आग दूसरे दिन भी धधकती रही परिणामस्वरूप पुलिस और अर्धसैनिक बल के जवानों ने केंद्र शासित प्रदेश में लगे कर्फ्यू का पालन कराने के लिए 50 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है।

दरअसल लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची के विस्तार की मांग को लेकर जारी आंदोलन के हिंसक रूप लेने के बाद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने 15 दिनों से जारी अपनी भूख हड़ताल को बुधवार के दिन ही समाप्त कर दिया था। लगता है कि वांगचुक को इस बात का एहसास हो गया था कि उनकी भूख हड़ताल का उद्देश्य अब भटक चुका है। वैसे तो कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) द्वारा वांगचुक के समर्थन में बंद का आ'न किया गया था। लेकिन हर आंदोलन की तरह यह आंदोलन भी प्रभावशाली नेतृत्व के अभाव में भटक गया और स्वाथा चाण्डाल चौकड़ी हिसा पर उतारू हो गई। सच तो यह है कि 5 अगस्त 2019 को संसद द्वारा पारित अधिनियम के आधार पर जम्मू-कश्मीर के विभाजन के बाद जम्मू-कश्मीर की ही तरह लद्दाख को भी केंद्र शासित प्रदेश घोषित कर दिया गया था। अब लद्दाख में राजनेताओं को लग रहा है कि यदि उसे पूर्ण राज्य का दर्जा हासिल हो जाए तो उनके राजनीतिक करियर के लिए अवसर मिल जाएगा। किन्तु केंद्र सरकार अच्छी तरह समझती है कि लद्दाख सीमावर्ती केंद्र शासित प्रदेश राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से अत्यन्त संवेदनशील होने के कारण उसके बारे में कोई भी फैसला भावनाओं के आधार पर लेना नासमझी होगी। जिन लोगों ने आंदोलन को हिंसक बनाया वे इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि लद्दाख में अशांति के समर्थक पाकिस्तान और चीन भी हैं। भारत सरकार ने पिछले कुछ दिनों से लद्दाख में जितना ढांचागत विकास किया है, उससे दोनों ही शत्रु देशों के होश उड़े हैं। ये दोनों चाहते हैं कि लद्दाख किसी न किसी रूप में अशांत हो। चीन के बारे में तो यह भी कहा जा रहा है कि उसने लद्दाख के कुछ नेताओं को आर्थिक मदद भी दी है। यदि यह सही है तो इसमें हैरानी नहीं होनी चाहिए। 1957 से चीन ने पूर्वोत्तर राज्यों में सशस्त्र विरोध के लिए अलगाववादी संगठनों का गठन किया फिर उन को धन और हथियार देकर हिंसक विद्रोह के लिए भड़काया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू चीन को अपना भाई मानते थे किन्तु जब इंटेलीजेंस ब्यूरो ने उनको चीन की हरकतों के बारे में सूचना दी तो वे खुद ही पूर्वोत्तर राज्यों के दौरे पर गए और भावनात्मक अपील करते हुए लोगों से कहा था कि यहां की समस्या आदिवासी समुदाय के साथ भेदभाव की नहीं है। "मैं तो अगले जन्म में आदिवासी परिवार में जन्म लेना चाहूंगा क्योंकि आदिवासी परिवार के लोग पवित्र हृदय के होते हैं।" पंडित नेहरू की भावनात्मक अपील का कोई असर नहीं हुआ। बाद में इंदिराजी ने पूर्वोत्तर के राज्यों में शांति के लिए राजनीतिक प्रयास किया। स्वगाय राजीव गांधी ने भी मिजोरम को शांत करने के लिए मिजो नेशनल फ्रंट के साथ समझौता किया। रही सही समस्याओं को मौजूदा सरकार ने हल किया। लद्दाख में पूर्ण राज्य का मुद्दा गरमाया हुआ है किन्तु इंटेलीजेंस एजेंसियां इसे गंभीरता से लेने को तैयार ही नहीं हैं। हमारी आईबी, मिलिट्री इंटेलीजेंस और बीएसएफ इंटेलीजेंस कश्मीर में ही सक्रिय रहती है, वे लद्दाख में सक्रियता से काम नहीं कर पाईं अन्यथा इतना बड़ा बवाल न होता। बहरहाल, सरकार लद्दाख को भगवान भरोसे नहीं छोड़ सकती। इसलिए बहुत गंभीरता से वहां के लोगों को समझाने-बुझाने तथा शरारती तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करके उन्हें स्टेट अथारिटी का एहसास कराने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में 1,22,100 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया

हमारी सरकार स्वच्छ ऊर्जा मिशन को जन आंदोलन में बदल रही है: प्रधानमंत्री

हम समाज के प्र येक वर्ग के कल्याण के लिए सेवा भावना से कार्य कर रहे हैं: प्रधानमंत्री

यह सुनिश्चित करना हमारी प्रतिबद्धता है कि जनजातीय समुदाय सम्मान और आत्मसम्मान से निर्वाह करे : प्रधानमंत्री

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में 1,22,100 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया। नवरात्रि के चौथे दिन, प्रधानमंत्री ने बांसवाड़ा में माँ त्रिपुरा सुंदरी की पावन धरती पर आने को अपना सौभाग्य कहा। उन्होंने बताया कि उन्हें कांठल और वागड़ की गंगा कही जाने वाली माँ माही के दर्शन करने का भी अवसर मिला। प्रधानमंत्री ने कहा कि माही का जल भारत के जनजातीय समुदायों के लचीलेपन और संघर्ष का प्रतीक है। उन्होंने महायोगी गोविंद गुरु जी के प्रेरक नेतृत्व पर प्रकाश डाला, जिनकी विरासत आज भी गूंजती है और माही का पवित्र जल उस महान गाथा का साक्षी है। श्री मोदी ने माँ त्रिपुरा सुंदरी और माँ माही को नमन किया और भक्ति एवं वीरता की इस भूमि से उन्होंने महाराणा प्रताप और राजा बांसिया भील को भी श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

श्री मोदी ने कहा कि नवरात्रि के दौरान, देश में शक्ति के नौ रूपों की पूजा की जाती है, और बांसवाड़ा में आज का प्रमुख कार्यक्रम ऊर्जा शक्ति – ऊर्जा उत्पादन को समर्पित है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि राजस्थान की धरती से भारत के बिजली क्षेत्र में एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। प्रधानमंत्री ने राजस्थान, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में 90,000 करोड़ रुपये से अधिक की बिजली परियोजनाओं के शुभारंभ की घोषणा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इतने बड़े पैमाने पर परियोजनाओं का एक साथ आरंभ होना ऊर्जा क्षेत्र में भारत की तेजी से हो रही प्रगति की झलक दिखाता है, जिसमें देश का हर क्षेत्र सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है और सभी राज्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। राजस्थान में स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं और पारेषण लाइनों की आधारशिला रखी गई है। श्री मोदी ने सौर ऊर्जा परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया और बांसवाड़ा में राजस्थान परमाणु ऊर्जा परियोजना के शुभारंभ की घोषणा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सौर ऊर्जा से लेकर परमाणु ऊर्जा तक, भारत बिजली उत्पादन क्षमता में नई ऊँचाइयों को छू रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, "आज के तकनीक और उद्योग के युग में, विकास बिजली की शक्ति पर निर्भर करता है; बिजली प्रकाश, गति, प्रगति, संपर्क और वैश्विक पहुँच लाती है।" उन्होंने बिजली के महत्व की उपेक्षा करने के लिए पिछली सरकारों की आलोचना की। श्री मोदी ने कहा कि जब 2014 में उनकी सरकार सत्ता में आई थी, तब 2.5 करोड़ घरों में बिजली के कनेक्शन नहीं थे और आजादी के 70 साल बाद भी, 18,000 गाँवों में एक भी बिजली का खंभा नहीं लगा था। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि बड़े शहरों में घंटों बिजली कटौती होती थी और गाँवों में तो 4-5 घंटे बिजली भी महत्वपूर्ण मानी जाती थी। बिजली की अनुपस्थिति ने कारखानों के संचालन और नए उद्योगों की स्थापना में बाधा डाली, जिसका असर राजस्थान जैसे राज्यों और पूरे देश पर पड़ा। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 में उनकी सरकार ने इस स्थिति को बदलने का संकल्प लिया था। उन्होंने कहा कि हर गाँव तक बिजली पहुँचाई गई और 2.5 करोड़ घरों को मुफ्त कनेक्शन दिए गए। जहाँ भी बिजली की लाइनें पहुँचीं, वहाँ बिजली पहुँची–जिससे जीवन आसान हुआ और नए उद्योगों का विकास संभव हुआ।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी देश को 21वीं सदी में तेजी से विकास करने के लिए, अपने बिजली उत्पादन को बढ़ाना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि सबसे सफल देश वे होंगे जो स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी होंगे। श्री मोदी ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना की शुरूआत की घोषणा करते हुए जोर देकर कहा, "हमारी सरकार स्वच्छ ऊर्जा मिशन को एक जन आंदोलन में बदल रही है।" इस योजना के तहत शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में छतों पर सौर पैनल लगाए जा रहे हैं। किसानों को सस्ती बिजली सुनिश्चित करने के लिए, पीएम–

कुसुम योजना कृषि क्षेत्रों में सौर पंपों की स्थापना की सुविधा प्रदान कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज विभिन्न राज्यों में अनेक सौर परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया है, जिससे लाखों किसानों को सीधे लाभ हो रहा है। उन्होंने दोहराया कि पीएम सूर्य घर योजना घरों के लिए मुफ़्त बिजली प्रदान करती है, जबकि पीएम–कुसुम योजना खेतों के लिए मुफ़्त बिजली सुनिश्चित करती है। श्री मोदी ने पीएम–कुसुम योजना के लाभार्थियों के साथ अपनी पिछली बातचीत साझा की, जिन्होंने उन्हें बताया कि सौर ऊर्जा से चलने वाली मुफ़्त बिजली उनके जीवन में एक बड़ा वरदान बन गई है।

श्री मोदी ने कहा, "भारत एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है और राजस्थान इस यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।" उन्होंने राजस्थान के लोगों के लिए 30,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त परियोजनाओं की शुरूआत की घोषणा की, जिनका उद्देश्य पानी, बिजली और स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच में सुधार लाना है। प्रधानमंत्री ने वंदे भारत सेवा सहित तीन नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने नए रोजगार के अवसर पैदा करने के राष्ट्रव्यापी अभियान पर प्रकाश डाला, जिसके तहत आज राजस्थान में 15,000 युवाओं को सरकारी नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र मिले। श्री मोदी ने इन युवाओं को अपने जीवन के एक नए अध्याय की शुरूआत के लिए शुभकामनाएँ दीं और इन विकास पहलों के शुभारंभ पर राजस्थान के लोगों को बधाई दी।

राजस्थान में उनकी सरकार द्वारा राज्य के विकास के लिए पूरी निष्ठा से काम किए जाने पर संतोष व्यक्त करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों द्वारा कुशासन और शोषण के माध्यम से राजस्थान को दिए गए घाव अब वर्तमान सरकार द्वारा भरे जा रहे हैं। श्री मोदी ने आरोप लगाया कि विपक्ष के शासन में, राजस्थान पेपर लीक का केन् द्र बन गया था और जल जीवन मिशन भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया था। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचार चरम पर थे और अपराधियों को संरक्षण दिया जा रहा था। उन्होंने बताया कि विपक्ष के कार्यकाल के दौरान, बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ जैसे क्षेत्रों में अपराध और अवैध शराब के व्यापार में वृद्धि देखी गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब जनता ने उन्हें मौका दिया, तो कानून–व्यवस्था मजबूत हुई और विकास की गति तेज हुई। उन्होंने कहा कि अब बड़ी परियोजनाओं का क्रियान्वयन हो रहा है और पूरे राजस्थान में राजमार्गों और एक्सप्रेसवे का जाल फैल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार राजस्थान, विशेषकर दक्षिणी राजस्थान को विकास के तीव्र पथ पर अग्रसर कर रही है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की आज जयंती का उल्लेख करते हुए, जिन्होंने देश को अंत्योदय का सिद्धांत दिया – समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का उत्थान – श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि यह कल् पना अब सरकार का मिशन बन गया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन गरीबों, दलितों, पिछड़े वर्गों और आदिवासी समुदायों के कल्याण के लिए गहरी सेवा भावना से काम कर रहा है।

आदिवासी समुदाय की लगातार उपेक्षा और उनकी जरूरतों को समझने में नाकाम रहने के लिए विपक्ष की आलोचना करते हुए, प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार ने ही एक समर्पित मंत्रालय की स्थापना करके जनजातीय कल्याण को प्राथमिकता दी। प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के कार्यकाल में पहली बार जनजातीय मामलों के लिए एक अलग मंत्रालय बनाया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष के शासन में, इतने बड़े पैमाने की परियोजनाओं का जनजातीय क्षेत्रों तक पहुँचना अकल्पनीय था। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के तहत, ये विकास अब हकीकत बन रहे हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश के धार में एक बड़े पीएम मित्र पार्क के शुभारंभ की घोषणा की, जिससे आदिवासी किसानों को सार्थक लाभ होगा।

श्री मोदी ने उल्लेख किया कि उनकी पार्टी के प्रयासों से ही एक गरीब आदिवासी परिवार की बेटी श्रीमती द्रौपदी मुर्मू भारत की राष्ट्रपति बनी हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि राष्ट्रपति महोदया ने स्वयं सबसे हाशिए पर पड़े जनजातीय समुदायों का मुद्दा उठाया था, जिससे प्रधानमंत्री जनमन योजना शुरू करने की प्रेरणा मिली। इस पहल के तहत, जनजातीय समाज के सबसे वंचित वर्गों को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से आदिवासी गाँवों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है, जिससे पाँच करोड़ से ज्यादा आदिवासी लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि देश भर में सैकड़ों एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार ने वनवासियों और अनुसूचित जनजातियों के वन अधिकारों को भी मान्यता दी है।

श्री मोदी ने कहा, "भारत का जनजातीय समुदाय हजारों वर्षों से वन संसाधनों का निरन् तर उपयोग करता आ रहा है।" यह सुनिश्चित करने के लिए कि ये संसाधन उनकी प्रगति का साधन बनें, सरकार ने वन धन योजना शुरू की। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि वन उपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि की गई है और आदिवासी उत्पादों को बाजार तक पहुँच से जोड़ा गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके परिणामस्वरूप, भारत में देश भर में वन उपज में रिकॉर्ड वृद्धि देखी गई है।

आदिवासी समुदाय के सम्मान के साथ जीवन सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी आस्था, स्वाभिमान और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करना एक गंभीर संकल्प है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब एक आम नागरिक का जीवन आसान हो जाता है, तो वे स्वयं राष्ट्र की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। उन्होंने 11 साल पहले विपक्ष के शासन के दौरान की भयावह परिस्थितियों को याद किया और इसके लिए नागरिकों के शोषण और व्यवस्थित लूट को ज़िम्मेदार ठहराया। उन्होंने बताया कि उस दौरान कर और मुद्रास्फीति रिकॉर्ड ऊँचाई पर थीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक बार जनता ने उनकी सरकार को आशीर्वाद दे दिया, तो विपक्ष की शोषणकारी कार्य प्रणाली का अंत हो गया।

श्री मोदी ने कहा कि 2017 में जीएसटी के कार्यान्वयन ने देश को करों और टोल के जटिल जाल से मुक्ति दिलाई। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस वर्ष नवरात्रि के पहले दिन, एक बड़ा जीएसटी सुधार लागू किया गया, जिसके परिणामस्वरूप पूरे भारत में जीएसटी बचत उत्सव मनाया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि रोजमर्रा की ज्यादातर चीजें अब ज्यादा सस्ती हो गई हैं। उपस्थित महिलाओं की विशाल सभा को संबोधित करते हुए, उन्होंने जोर देकर कहा कि घरेलू रसोई का खर्च काफी कम हो गया है, जिससे देश भर की माताओं और बहनों को सीधी राहत मिली है।

भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी के लिए भेषज संहिता आयोग स्वच्छता ही सेवा 2025 के तहत 'एक दिन एक घंटा एक साथ' अभियान में शामिल हुआ, पूरे परिसर में स्वच्छता में चैंपियन बना

(जीएनएस)।

स्वच्छ राष्ट्र के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का एक उत्साही पहल करते हुए आयुष मंत्रालय के भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी के लिए भेषज संहिता आयोग (पीसीआईएम एंड एच) ने व्यापक स्वच्छता ही सेवा – 2025 अभियान के तहत राष्ट्रव्यापी स्वैच्छिक पहल "एक दिन एक घंटा एक साथ" कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल और उसके आसपास स्वच्छता, सफाई और अनुशासन की एक सतत संस्कृति को बढ़ावा देना है, और इस बात पर बल देना है कि सामूहिक कार्रवाई की शक्ति ही सार्थक बदलाव ला सकती है। इस वर्ष की थीम विशेष रूप से देश के उत्सवों की उल्लासमय भावना को स्वच्छ भारत के दृष्टिकोण के साथ जोड़ने के लिए तैयार की गई है।

अभियान के तहत भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी के लिए भेषज संहिता आयोग ने अपने परिसर और आसपास के आवासीय क्षेत्रों में एक विशाल रैली और स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। कर्मचारियों ने भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी के लिए भेषज संहिता आयोग परिसर के पॉकेट 1 से पॉकेट 3 तक, साथ ही परिसर से सटे आसपास के

इलाकों में भी सफाई अभियान चलाया।

कार्यक्रम के दौरान, भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी के लिए भेषज संहिता आयोग के निदेशक ने कर्मचारियों को संबोधित किया और कार्यस्थल के अंदर और समुदाय में स्वच्छता और सफाई के उच्च मानकों को बनाए रखने के महत्व पर बल दिया। निदेशक ने कर्मचारियों को अपने आस-पास के वातावरण की व्यक्तिगत ज़िम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित किया और यह भी बताया कि स्वच्छ भारत के व्यापक लक्ष्य को साकार करने के लिए टीम वर्क और सामूहिक प्रतिबद्धता आवश्यक है।

अभियान के माहौल को रोचक और आकर्षक बनाने के लिए, भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी के लिए भेषज संहिता आयोग ने कर्मचारियों के उत्साह और भागीदारी को दर्शाने के लिए एक सेल्फी कॉर्नर की भी व्यवस्था की। ऐसा करके सहकर्मियों, मित्रों और आम जनता के साथ स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को साझा करने की सहूलियत प्रदान की गई।

कार्यक्रम में इस बात पर जोर दिया गया कि संस्थागत समर्थन और शीर्ष-स्तरीय पहल महत्वपूर्ण हैं और सच्चा परिवर्तन प्रत्येक व्यक्ति के निरंतर प्रयासों में निहित है। भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी के लिए भेषज संहिता आयोग स्वच्छता को एक आदतन अभ्यास बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है और अपने सभी कर्मचारियों, आगंतुकों और आसपास के समुदायों को स्वच्छ और हरित जीवन को वास्तविक रूप से स्थायी बनाने में हाथ मिलाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

कोयला मंत्रालय नई दिल्ली में कोयला गैसीकरण पर दूसरा रोड शो आयोजित करेगा

(जीएनएस)।

कोयला मंत्रालय, भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) के साथ मिलकर, नई दिल्ली स्थित फिक्की फेडरेशन हाउस में कोयला गैसीकरण यानी सतही एवं भूमिगत प्रौद्योगिकियों पर दूसरा रोड शो आयोजित करने जा रहा है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी मुख्य अतिथि और कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह रोड शो मंत्रालय द्वारा हाल ही में शुरू की गई वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी के 13वें दौर के बाद आयोजित किया जा रहा है, जिससे कंपनियों को विभिन्न उद्देश्यों के लिए कोयले का खनन और इस्तेमाल में मदद मिलेगी।

इस आयोजन का उद्देश्य भारत में कोयला गैसीकरण प्रौद्योगिकियों के विस्तार, निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए उपयुक्त व्यावसायिक मॉडल के विकास और व्यावसायिक स्तर पर स्वदेशी गैसीकरण प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने पर विचार-विमर्श करना है। कोयला गैसीकरण से प्राप्त उत्पादों के विपणन और परियोजनाओं को उनके प्रारंभिक चरण में वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए उपयुक्त नीतिगत प्रावधानों पर भी चर्चा की जाएगी।

भारत ने 2030 तक 100 मीट्रिक टन कोयला गैसीकरण का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है और इस रोड शो में रसायन, पेट्रोकेमिकल, तेल एवं गैस, इस्पात, एल्युमीनियम, बिजली, कोयला और संबद्ध क्षेत्रों के हितधारकों के साथ-साथ प्रमुख निवेशकों और वित्तीय संस्थानों के एक साथ आने की उम्मीद है। यह आयोजन उद्योग जगत के दिग्गजों, निवेशकों और नीति निमार्ताओं को विचारों का आदान-प्रदान करने, निवेश के अवसरों का पता लगाने और देश भर में कोयला गैसीकरण परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए समर्थक रणनीतियों की पहचान करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

कोयला गैसीकरण पर दूसरा रोड शो, स्वच्छ, टिकाऊ और आत्मनिर्भर ऊर्जा संबंधी समाधानों की दिशा में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। यह कोयला गैसीकरण क्षेत्र में नवाचार, निजी निवेश और सहयोगात्मक विकास को बढ़ावा देने के लिए कोयला मंत्रालय की प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है।

निर्वाचन आयोग ने डाक मतपत्रों की गिनती की प्रक्रिया को और सुव्यवस्थित किया

(जीएनएस)।

निर्वाचन आयोग ने पिछले छह महीनों में चुनावी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और बेहतर बनाने के उद्देश्य से 29 महत्वपूर्ण पहल की हैं। इसी क्रम में निर्वाचन आयोग ने अपनी 30वीं पहल के अंतर्गत देरी को कम करने और स्पष्टता बढ़ाने के लिए डाक मतपत्रों की गिनती की प्रक्रिया को और सुव्यवस्थित करने का निर्णय लिया है। (अनुलग्नक)

मतगणना प्रक्रिया के दो प्रमुख भाग हैं:

डाक मतपत्रों/इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रेषित डाक मतपत्रों (ईटीपीबी) की गिनती;

ईवीएम के माध्यम से गिनती।

मतगणना के दिन डाक मतपत्रों की गिनती सुबह 8 बजे और ईवीएम की गिनती सुबह 8:30 बजे शुरू होती है। पूर्व निर्देशों के अनुसार डाक मतपत्रों की गिनती के चरण की परवाह किए बिना सैद्धांतिक रूप से ईवीएम की गिनती जारी रह सकती है और डाक मतपत्रों की गिनती पूरी होने से पहले इसके पूरा होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों (85 वर्ष से अधिक) के लिए घर से मतदान हेतु आयोग द्वारा हाल ही में की गई पहलों के मद्देनजर डाक मतपत्रों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

यद्यपि डाक मतपत्रों की गिनती आमतौर पर ईवीएम की गिनती से पहले पूरी हो जाती है। फिर भी मतगणना प्रक्रिया में एकरूपता और अत्यधिक स्पष्टता सुनिश्चित करने के लिए आयोग ने निर्णय लिया है कि अब से ईवीएम/वीवीपैट की गिनती का अंतिम से पहले वाला (दूसरे अंतिम) दौर डाक मतपत्रों की गिनती पूरी होने के बाद ही मतगणना केंद्र पर शुरू किया जाएगा। जहाँ डाक मतपत्रों की गिनती की जा रही है।

आयोग ने यह भी निर्देश दिया है कि जहाँ डाक मतपत्रों की संख्या अधिक हो तो वहाँ रिटर्निंग अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि पर्याप्त संख्या में टेबल और मतगणना कर्मचारी मौजूद हों ताकि कोई देरी न हो और मतगणना प्रक्रिया को और सुव्यवस्थित किया जा सके।

पीके/ केसी/ एसके

अनुलग्नक

पिछले छह महीनों के दौरान 29 पहलों की सूची:

मतदाताओं की सुविधा

मतदान केंद्रों पर मतदान के दिन सुविधा के वास्ते मतदाताओं के लिए मोबाइल जमा सुविधा। (लिंक)

भीड़ कम करने के लिए प्रति मतदान केंद्र 1,200 से अधिक मतदाता नहीं। (लिंक)

मतदाता सूचना पर्ची (वीआईएस) के डिजाइन को संशोधित किया गया है ताकि मतदाता का सीरियल नंबर और पार्ट नंबर अधिक प्रमुखता से प्रदर्शित हो। (लिंक)

मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान केंद्र से 100 मीटर से थोड़ा आगे उम्मीदवार बूथों की अनुमति है। (लिंक)

बेहतर दृश्यता के लिए ईवीएम में उम्मीदवारों की रंगीन तस्वीरें होंगी। (लिंक)

चुनावी प्रणालियों का सुदृढ़ीकरण और सफाई

पंजीकरण की आवश्यक शर्तों को पूरा करने में लगातार विफल रहने वाले 808 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) को दो चरणों में सूची से हटाया जाएगा। (लिंक)

संविधान आरपीए 1950, 1951 के अनुसार 28 ईसीआई हितधारकों की भूमिकाओं की पहचान और मानचित्रण। निर्वाचक नियम 1960 चुनाव संचालन नियम, 1961, और विभिन्न चुनाव आयोग निर्देश। (लिंक)

बीएलओ को मानक फोटो पहचान पत्र जारी किए गए। (लिंक)

चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद ईवीएम की बर्न मेमोरी/माइक्रोकंट्रोलर की जाँच और सत्यापन के लिए तकनीकी और प्रशासनिक मानक संचालन प्रक्रियाएँ। (लिंक)

ईसीआई के कानूनी ढाँचे को सुदृढ़ और पुनर्निर्देशित करने हेतु कानूनी सलाहकारों और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ राष्ट्रीय सम्मेलन। (लिंक)

दुनिया भर में चुनाव प्रबंधन निकायों के साथ भारत की साझेदारी को मजबूत करने के लिए चुनाव प्रबंधन निकायों के प्रमुखों के साथ द्विपक्षीय बैठकें। (लिंक)

राजनीतिक दलों के साथ सहभागिता

ईआरओ, डीईओ और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के स्तर पर देश भर में 4,719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की गईं। (लिंक)

अब तक 25 मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्यीय राजनीतिक दलों के साथ निर्वाचन आयोग की बैठकें आयोजित की गईं। (लिंक)

प्रौद्योगिकी का बेहतर उपयोग

ईसीआईएनईटी का शुभारंभ किया गया। यह मतदाताओं और अन्य के लिए 40 से अधिक ऐप/वेबसाइटों को समाहित करने वाला एक वन-स्टॉप डिजिटल प्लेटफॉर्म है। सभी हितधारकों के लिए। (लिंक)

मतदान प्रक्रिया की निरंतर निगरानी सुनिश्चित करने के लिए सभी मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग। (लिंक)

समय अंतराल को कम करने के लिए पीठासीन अधिकारी (पीआरओ) मतदान के दिन हर दो घंटे में नए ईसीआईएनईटी ऐप पर सीधे मतदाता उपस्थिति दर्ज करेंगे। (लिंक)

निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर चुनाव संबंधी आंकड़ों के तेजी से साझाकरण को सुनिश्चित करने के लिए सुव्यवस्थित इंडेक्स कार्ड और सांख्यिकीय रिपोर्ट तैयार करना। (लिंक)

फॉर्म 17उ और ईवीएम के बीच बेमेल होने की हर स्थिति में वीवीपैट गणना सुनिश्चित की जाएगी। (लिंक)

मतदाता सूचियों की शुद्धता

बिहार में कोई भी पात्र मतदाता छूटे नहीं और कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण। (लिंक)

लगभग 2 दशकों में पहली बार 4 राज्यों में उपचुनावों से पहले विशेष सारांश पुनरीक्षण। (लिंक)

मृत्यु पंजीकरण आंकड़ों को जोड़ना ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ईआरओ को पंजीकृत मौतों की समय पर जानकारी मिले। (लिंक)

विभिन्न व्यक्तियों के लिए समान एढकउ नंबर (लिंक)

मतदाता सूची में अद्यतन के 15 दिनों के भीतर ईपीआईसी वितरण सुनिश्चित करने के लिए नई एसओपी, वितरण के प्रत्येक चरण पर एसएमएस सूचना के साथ। (लिंक)

क्षमता निर्माण

पहली बार आईआईआईडीईएम नई दिल्ली में 7,000 से अधिक बीएलओ और बीएलओ पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। (लिंक)

बिहार, तमिलनाडु और पुडुचेरी के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ स्तरीय एजेंटों (बीएलए) के लिए पहली बार आईआईआईडीईएम नई दिल्ली में प्रशिक्षण। (लिंक)

नवरात्रि-दशहरा स्पेशल कलेक्शनः उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने किया 'न्यू क्राफ्ट सिल्क इंडिया प्रदर्शनी 2025' का शुभारंभ

लखनऊ, 25 सितंबर। (जीएनएस)।

नवरात्रि और दशहरा के शुभ अवसर पर न्यू क्राफ्ट सिल्क इंडिया द्वारा कैसरबाग सफेद बारादरी में आयोजित स्पेशल पार्टी वियर परिधानों की प्रदर्शनी का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया। यह नौ दिवसीय प्रदर्शनी 25 सितंबर से 3 अक्टूबर तक चलेगी।

कार्यक्रम के दौरान आयोजक श्री मानस आचार्य और श्री जावेद मकसूद ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। श्री पाठक ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर परिधानों व हैंडलूम उत्पादों की जानकारी ली। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

75वें जन्मदिन पर विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहीं महिलाओं को उपमुख्यमंत्री ने सम्मानित भी किया।

मीडिया से बातचीत में श्री पाठक ने कहा, ह्लत्यौहारों के मौके पर एक ही छत के नीचे महिलाओं के लिए विविध परिधानों की उपलब्धता सराहनीय पहल है। बुनकरों को मेरा हार्दिक बधाई संदेश है। हमें स्वदेशी को बढ़ावा देना चाहिए।ह्व

प्रदर्शनी में 100% शुद्ध प्राकृतिक रेशों - रेशमी, कपास और लिनन से बने परिधान शामिल हैं। यहां बनारसी, तस्सर, कांथा, गढ़वाल, चंदेरी, महेश्वरी, कोटा, जयपुर बगरू प्रिंट्स, बेंगलुरु क्रेप सिल्क्स, कलमकारी, कांचीपुरम, पोचमपल्ली इक्कत, वेंकटगिरी, नारायणपेट, उप्पादा जामधानी, पैठानी, कोलकाता बुटीक, चंपा कोसा साड़ियां और विभिन्न कॉटन ड्रेस मटेरियल व लाइफस्टाइल गारमेंट्स आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

विभिन्न राज्यों से आए बुनकरों के उत्पाद इस प्रदर्शनी में अपने आप में अनूठी पहचान रखते हैं और लखनऊवासियों को किफायती दामों

नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष व सपा नेता के पुत्रों व भतीजो पर विभिन्न धाराओं में कोतवाली सलोंनं में मुकदमा

सलोन रायबरेली। नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष व सपा नेता के पुत्रों व भतीजो पर विभिन्न धाराओं में कोतवाली सलोंनं में मुकदमा पंजीकृत किया गया। सलोंन नगर में हमेशा चर्चित रहने वाले पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष व समाजवादी पार्टी के नेता चौधरी मोहम्मद अशफाक के पुत्र चौधरी फहद, चौधरी हुफैजा ,भतीजे शिबू चौधरी एवं ताबीस चौधरी पुत्र चौधरी अखलाक के विरुद्ध कोतवाली सलोंन में धारा

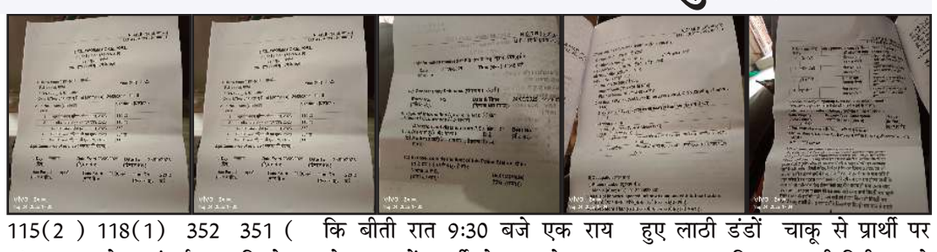

115(2) 118(1) 352 351 (3) 110 के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर विवेचना की जा रही। चौ धाराना निवासी गुलाम असगरी चौधरी पुत्र अकबर चौधरी ने कोतवाली में दिए तहरीर में बताया कि बीती रात 9:30 बजे एक राय होकर चारों प्रार्थी के घर के पास टहल रहे थे प्रार्थी ने कहा कि बाहरी लोगों के साथ घर के पास रात में ना घूमों जिसको लेकर चारों आग बबूला हो गए, व गाली गलौज करते हुए लाठी डंडों चाकू से प्रार्थी पर हमला कर दिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है ,मामले की जांच कराई जा रही इसके बाद वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मरीजो से अच्छे व्यवहार की शपथ के साथ मनाया विश्व फार्मासिस्ट दिवस

लखनऊ, :- आज दिनांक 25/09/25 को "विश्व फार्मासिस्ट दिवस" के अवसर पर डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन उप्र की जिला शाखा ने बलरामपुर चिकित्सालय में जिला मंत्री कपिल वर्मा की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व महामंत्री डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसो० उप्र श्रवण सचान ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए चिकित्सा जगत में फार्मासिस्ट के अहम भूमिका और कार्य को जनमानस तक पहुँचने पर जोर दिया। कपिल वर्मा ने कार्यक्रम में नई पीढ़ी

के फार्मासिस्टों को जनता से सरल व्यवहार रखने पर और मरीजों से बेहतर संवाद पर जोर दिया। कार्यक्रम में मुख्य रुप से प्रभारी अधिकारी फामेर्सी जे के सचान, रजत यादव पूर्व कोषाध्यक्ष, डी पी ए उप्र, चिकित्सालय के कार्यरत बी पी चौधरी ,चीफ फार्मासिस्ट, प्रभाकर त्रिपाठी,सुशील वर्मा,अब्दुर रहमान,संगीता वर्मा ,के के सिंह सहित चिकित्सालय के क ई फार्मासिस्टों ने भाग लिया। कार्यक्रम में ट्रेनिंग फार्मासिस्टों ने भी हिस्सा लिया। सभी ने मिल कर चिकित्सालय में आने वाले मरीजों से अच्छा व्यवहार रखने की शपथ ली। कपिल वर्मा ,जिला मंत्री,डी पी ए उ प्र जिला शाखा लखनऊ ।

हेयर मास्टर्स लक्जरी सैलून पहुंचा लखनऊ - दो महिला उद्यमियों ने खोला शहर में लक्जरी ग्रूमिंग का नया अध्याय

लखनऊ, 25 सितंबर 2025: लखनऊवासियों के लिए एक शानदार

खबर है! अशियाना क्षेत्र में अब हेयर मास्टर्स लक्जरी सैलून अपने शानदार दरवाजे खोलने जा रहा है। इस प्रतिष्ठित ब्रांड को लखनऊ लाने का श्रेय दो स्थानीय महिला उद्यमियों - श्रीमती मृगना एस गोयल और श्रीमती देवयानी यादव को जाता है। इन दोनों ने मिलकर इस राष्ट्रीय स्तर के ब्रांड को अपने शहर में लाकर एक नई शुरूआत की है। दिल्ली के एक छोटे से बेसमेंट से शुरूआत कर 2014 में स्थापित हेयर मास्टर्स आज ₹150 करोड़ का ब्रांड बन चुका है, और अब यह पहली बार लखनऊ में अपनी खास उपस्थिति दर्ज करवा रहा है। इस खास मौके पर श्रीमती मृगना एस गोयल ने कहा,ह्लखनऊ एक स्टाइलिश और सोफिस्टिकेटेड शहर बन चुका है। लेकिन यहाँ अभी भी एक ऐसी जगह की कमी थी जहाँ लोग असली लक्जरी ग्रूमिंग एक्सपीरियंस का आनंद ले सकें। हेयर मास्टर्स की प्रेरणादायक कहानी और क्वालिटी ने हमें प्रभावित किया और अब हमारा मकसद लखनऊ में ब्यूटी और वेलनेस का नया स्तर स्थापित करना है।ह्व श्रीमती देवयानी यादव ने आगे कहा,ह्लहम खुद लखनऊ की रहने वाली हैं और चाहते थे कि हमारे शहर में एक ऐसी जगह हो जहाँ लोग सिर्फ सुंदर दिखने ही नहीं, बल्कि खास और वैल्यूड महसूस करें। हेयर मास्टर्स में हम सिर्फ ब्यूटी सर्विस नहीं देंगे, बल्कि एक ऐसा एक्सपीरियंस देंगे जो यादगार हो - जिसमें बेस्ट प्रोडक्ट्स, ट्रेन्ड स्टाफ और शांतिपूर्ण माहौल हो। हम स्थानीय युवाओं को रोजगार देने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं।ह्व लॉन्च में बॉलिवुड अभिनेत्री काजल अग्रवाल करेंगी शिरकत संस्थापिकाओं ने यह भी बताया कि प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री काजल अग्रवाल इस सैलून का उद्घाटन 27 सितंबर 2025 को करेंगी। ह्लउनकी एलीगेंस और हेल्थ के प्रति कमिटमेंट हेयर मास्टर्स के मूल्यों से मेल खाती है। हम उन्हें लखनऊ में स्वागत करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं।ह्व लखनऊ ही क्यों? इस सवाल के जवाब में संस्थापिकाओं ने कहा कि लखनऊ तेजी से आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से विकसित हो रहा है और लोग अब प्रीमियम वर्ल्ड-क्लास एक्सपीरियंस की तलाश में हैं। हेयर मास्टर्स उसी जरूरत को पूरा करेगा। हेयर मास्टर्स को खास क्या बनाता है? नेशनल ट्रेनिंग प्राप्त प्रोफेशनल स्टाफ, जिससे हर ग्राहक को मिले बेहतरीन और एक जैसा अनुभव इंटरनेशनल क्वालिटी के प्रोडक्ट्स - बालों, त्वचा और वेलनेस के लिए राजसी इंटीरियर्स और शांत माहौल, ताकि हर विज़िट बने एक लग्जरी एक्सपीरियंस स्थानीय लोगों को रोजगार देने पर जोर, जिससे समुदाय को भी लाभ मिले अब जब हेयर मास्टर्स लखनऊ आ चुका है, यह सिर्फ एक और सैलून नहीं होगा - बल्कि एक नया लाइफस्टाइल डेस्टिनेशन बनेगा, जहाँ हर विज़िट होगी खास।

अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल लखनऊ ने शुरू किया कॉम्प्रिहेंसिव लीवर डिजीज क्लिनिक - लीवर और एचपीबी सर्जरी में मिलेगा विशेषज्ञ मार्गदर्शन

लीवर ट्रांसप्लांट में 95% सफलता दर के साथ 24*7 विशेषज्ञ टीम - अब यूपी और नजदीकी राज्यों के लीवर मरीजों के लिए भरोसेमंद मार्गदर्शन

लखनऊ, 25 सितम्बर 2025, अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ ने लीवर ट्रांसप्लांट और हेपेटो-पैंक्रिएटो-बिलियरी (एचपीबी) सर्जरी के लिए एक विशेष ह्लकॉम्प्रिहेंसिव लीवर डिजीज क्लिनिकह्व की शुरूआत की है। इस क्लिनिक में लिवर ट्रांसप्लांट टीम के रूप में शामिल हैंः डॉ. अभिषेक यादव, सीनियर डायरेक्टर और एचओडी- लीवर ट्रांसप्लांट एवं एचपीबी सर्जरी; डॉ. राजीव रंजन सिंह, डायरेक्टर गैस्ट्रोएंटरोलॉजी; डॉ. जयेन्द्र शुक्ला, कंसल्टेंट गैस्ट्रोएंटरोलॉजी; और डॉ. उत्कर्ष श्रीवास्तव, कंसल्टेंट लीवर ट्रांसप्लांट एवं गैस्ट्रो सर्जन। अत्यंत कुशल डॉक्टर्स की टीम के निर्देशन में चलने वाली यह क्लीनिक गंभीर लीवर रोग और जटिल सर्जिकल निर्णयों के मामलों में मरीजों और उनके परिवारों के लिए भरोसेमंद मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

इस क्लिनिक की शुरूआत करते हुए डॉ. अभिषेक यादव, सीनियर डायरेक्टर व हेड -लीवर ट्रांसप्लांट एवं एचपीबी सर्जरी, ने कहा, ह्लभारत में हर साल 2.5 से 3 लाख लोग लीवर रोग और लीवर सिरोसिस के कारण अपनी जान गंवा देते हैं। लीवर रोग अब भारत में मृत्यु का 8वां सबसे आम कारण बन चुका है, जबकि 10 साल पहले यह 10वें स्थान पर था। भारत में सालाना केवल 2500-3000 लीवर ट्रांसप्लांट ही होते हैं, जो कि वास्तविक जरूरत का केवल 1-2 फीसदी ही है। फैटी लीवर डिजीज तेजी से बढ़ रही है और भारत की

30-35 फीसदी आबादी इससे प्रभावित है, कुछ क्षेत्रों में यह संख्या 50 फीसदी तक पहुँच चुकी है।उत्तर प्रदेश की आबादी जो कि भारत की लगभग 17 फीसदी आबादी का हिस्सा है, में करीब 50,000-60,000 लोग हर साल लीवर रोगों के कारण मौत के मुंह में चले जाते हैं, लेकिन केवल 200-250 लीवर ट्रांसप्लांट ही सालाना हो पाते हैं और ये ज्यादातर एनसीआर क्षेत्र में होते हैं। पूरे राज्य में केवल चार लीवर ट्रांसप्लांट सेंटर हैं, जबकि तमिलनाडु में 42, महाराष्ट्र में 36, दिल्ली एनसीआर में 35, कर्नाटक में 25 और केरल में 19 सेंटर हैं। ऐसे में ज्यादातर मरीजों को अन्य राज्यों का रुख करना पड़ता है, जिससे इलाज की लागत बढ़ जाती है और पोस्ट-ट्रांसप्लांट फॉलो-अप कठिन हो जाता है।

इस लीवर डिजीज क्लिनिक का उद्देश्य मरीजों और उनके परिवारों को हर जटिल लीवर समस्या में स्पष्ट और भरोसेमंद जानकारी देना है। चाहे वह लीवर ट्रांसप्लांट का निर्णय हो या जटिल पेट सम्बंधित सर्जरी, हमारा क्लिनिक मरीजों को विशेषज्ञ मार्गदर्शन और समझ देने का काम करता है ताकि वे अपने इलाज के विकल्पों को आत्मविश्वास के साथ चुन सकें। यह क्लिनिक उत्तर प्रदेश ही नहीं बिहार, झारखण्ड, और नेपाल के मरीजों के लिए एक स्थायी और भरोसेमंद संसाधन बनेगा।ह्वडॉ. मयंक सोमानी, एमडी एंड सीईओ अपोलोमेडिक्स सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने कहा, ह्लअपोलोमेडिक्स लखनऊ प्राइवेट सेक्टर में यूपी में लीवर ट्रांसप्लांट शुरू करने वाला पहला केंद्र है। हॉस्पिटल की अनुभवी विशेषज्ञों की टीम पूरी तरह से इन-हाउस है, 24*7 उपलब्ध है और इसके द्वारा किए गए ट्रांसप्लांट की सफलता दर 95 फीसदी से अधिक है। अपोलो का देशभर में 75 से अधिक अस्पतालों का नेटवर्क कॉम्प्रिहेंसिव लीवर डिजीज क्लिनिक और रिमोट कंसल्टेशन को हर कोने तक संभव बनाता है। डॉ. अभिषेक यादव, सीनियर डायरेक्टर व हेड - लीवर ट्रांसप्लांट एवं एचपीबी सर्जरी, इस क्लिनिक का नेतृत्व करेंगे। डॉ. यादव ने अब तक 2000 से अधिक सफल लीवर ट्रांसप्लांट और 4000 से अधिक जटिल एचपीबी एवं जीआई सर्जरी की हैं। उनके पास 19 वर्षों का समृद्ध क्लिनिकल अनुभव है उन्होंने बुर्जील अस्पताल अबू धाबी, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल नई दिल्ली, नारायणा हॉस्पिटल बेंगलुरु, केयर हॉस्पिटल हैदराबाद, वीपीएस लेकशोर हॉस्पिटल कोच्चि और ज्यूपिटर हॉस्पिटल मुंबई एवं पुणे जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में कार्य किया है। साथ ही उन्होंने मध्य प्रदेश में पहला कैडेवरिक मल्टीऑर्गन ट्रांसप्लांट, मध्य भारत में पहला लिविंग डोनर कंबाइंड लिवर और किडनी ट्रांसप्लांट और 5 महीने के छोटे बच्चे का सफल लिवर ट्रांसप्लांट किया है जो अपने आप में एक कीर्तिमान है

लीवर रोग के मामलों में सही निर्णय और विशेषज्ञ सलाह जीवन बदल सकती है। हमारे कॉम्प्रिहेंसिव लीवर डिजीज क्लिनिक के जरिए हम मरीजों को न केवल उनका इलाज समझने में मदद करेंगे, बल्कि उन्हें सुरक्षित और भरोसेमंद उपचार विकल्प भी सुझाएंगे।ह्व

लखनऊ अब यूपी और आसपास के राज्यों के लिए तेजी से उभरता हुआ मेडिकल हब बन रहा है। ऐसे में अपोलोमेडिक्स का कॉम्प्रिहेंसिव लीवर डिजीज क्लिनिक मरीजों को जीवन-बचाने वाले निर्णय लेने में मददगार और भरोसेमंद संसाधन साबित होगा।

कलर्स के 'बिंदी' से मानव गोहिल ने कहा- मेरा किरदार लालच का प्रतीक है

कोई जेल की दीवार इतनी मजबूत नहीं कि माँ की आत्मा को कैद कर सके। निडर और सशक्त कहानियों की अपनी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, कलर्स लेकर आया है बिंदी - एक भावनात्मक गाथा जिसमें प्यार, विश्वासघात और जज्बे की कहानी है। जेल की कोख में जन्मी बिंदी की दुनिया उसकी माँ काजल तक ही सिमटी है, जिसकी ममता ने सलाखों को भी एक आश्रय में बदल दिया। लेकिन जब किस्मत उसे जेल से बाहर खींच लाती है, तो वह निर्दयी दुनिया की लड़ाई में धकेल दी जाती है, जहाँ ज़िंदा रहना ही एकमात्र विकल्प है। मथुरा की धरती पर बिंदी को अपने पिता अविराज की सच्चाई का पता चलता है—जिसके झूठ और माफिया डॉन दयानंद चौधरी की सत्ता-पिपासा ने उसकी माँ की ज़िंदगी तबाह कर दी थी। दुश्मनों के फिर से घेरने पर, बिंदी को अपनी माँ की आजादी के लिए साहस जुटाकर सबका सामना करना होगा। इस शो में राधिका मुत्थुकुमार (काजल), सांची भोयर (बिंदी), क्रुशल आहुजा (अविराज) और मानव गोहिल (दयानंद) मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। बिंदी रोजाना रात 8:30 बजे कलर्स और जियोसिनेमा पर प्रसारित होता है।

मानव गोहिल के साक्षात्कार से कुछ अंशः

शो के बारे में बताइए

बिंदी एक बेटी की अपनी कैद में बंद माँ के लिए लड़ाई की गाथा है। जेल में जन्मी और पली-बढ़ी बिंदी की दुनिया केवल काजल है, जिसका प्यार सलाखों के बीच भी आशा और सुख का संसार बना देता है। लेकिन जब कानून बिंदी को बाहर निकाल देता है, तो उसकी नाजुक खुशियाँ बिखर जाती हैं और वह अकेली, असुरक्षित दुनिया का सामना करती है। जब उसका मामा सौरव उसे मथुरा अपने घर ले जाता है, तो अतीत धीरे-धीरे सामने आने लगता है। उसे पता चलता है कि उसके पिता अविराज ने काजल को धोखा दिया था और माफिया डॉन दयानंद चौधरी के साथ मिलकर पैसे और ताकत के लिए षड्यंत्र रचा था। बिंदी ठान लेती है कि वह खुद को शिक्षित करेगी और एक दिन अपनी माँ को आजाद कराएगी। लेकिन चुनौती यह है कि अविराज और दयानंद दोनों ही माँ-बेटी के खिलाफ खड़े हैं। कहानी इसी असंभव लड़ाई में बिंदी की प्रेरणादायक यात्रा पर आधारित है।

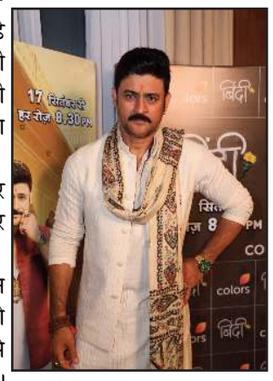

आपको बिंदी और अपने किरदार की ओर किस बात ने खींचा?

दयानंद चौधरी उन किरदारों में से है जो अपनी अनिश्चितता से आपको डराता है। उसने छोटे-मोटे अपराधी से शुरूआत की और हमेशा जल्दी अमीर बनने की फिराक में रहा। धीरे-धीरे उसने खुद को एक माफिया डॉन बना लिया, जो बाहर से इज्जतदार आदमी का नकाब पहनता है। लेकिन उसकी अंधकारमयता के बीच भी एक मानवीय पहलू है - अपने बेटे से उसका प्यार। वह चंचल है, उसका मूड आसपास के सभी लोगों को भयभीत कर देता है। निजी जीवन में उससे लोग डरते हैं, लेकिन सार्वजनिक जीवन में उसकी सराहना होती है। वह दया के कार्यों को भी राजनीतिक ताकत पाने के साधन बनाता है। अपने चमकदार सार्वजनिक छवि की रक्षा करने के लिए वह किसी भी हद तक जाता है। मेरा किरदार लालच का साक्षात रूप है। दयानंद को निभाने का रोमांच ही यही है - आपको कभी पता नहीं चलता कि उसका अगला चेहरा कौन-सा होगा, और दर्शकों को भी नहीं। शो यह दिखाता है कि लालच परिवारों को कैसे तोड़ देता है। क्या आपको लगता है कि दर्शक अपने आसपास की झलक इस कहानी में देखेंगे?

बिल्कुल। लालच केवल पैसों में नहीं मापा जाता। यह रोजमर्रा के फैसलों में भी दिखता है जहाँ व्यक्तिगत लाभ रिश्तों से बड़ा हो जाता है। अधिकांश परिवारों ने इसे किसी न किसी रूप में महसूस किया है - चाहे विरासत के झगड़े हों, भाई-बहनों का अलग होना या महत्वाकांक्षा से टूटा भरोसा। बिंदी इन्हीं सच्चाइयों को पात्रों के माध्यम से दर्शाता है और मुझे यकीन है कि दर्शक इससे जुड़ाव महसूस करेंगे।

हर किरदार समाज के एक पहलू का प्रतिनिधित्व करता है - पोषण करने वाला, मासूम और भ्रष्ट। आपको क्या लगता है असली दुनिया में किसका पलड़ा भारी है? लालच और भ्रष्टाचार पल भर के लिए ताकतवर दिखते हैं - हम रोजाना घोटालों, सिस्टम की विफलताओं व चौंकाने वाली खबरों में इसका असर देखते हैं। लेकिन समय के साथ, प्यार, मासूमियत और न्याय ही जीतते हैं। परिवार लालच पर नहीं टिकते और समाज भ्रष्टाचार से नहीं संभलते, वे दया, जज्बे और न्याय की लड़ाई से ज़िंदा रहते हैं। बिंदी यही पैटर्न दर्शाती है - अंधकार भले कुछ जीत ले, लेकिन इंसानियत और प्यार ही असली विजय पाते हैं। इस वजह से यह कहानी व्यक्तिगत तौर पर जुड़ी प्रतीत होती है।

दयानंद एकदम बुरा इंसान लगता है। आपने उसे डरावना लेकिन यथार्थवादी कैसे बनाया?

सबसे डरावनी बुराई वही है जो खुद को जाहिर नहीं करती। मैं चाहता था कि दयानंद की खौफनाक हकीकत उसकी साधारणता और संयम से झलके। असली खतरा हमेशा शोर से नहीं आता, बल्कि चुप्पी और सादगी में छिपा होता है। मैंने उसे संयमित ढंग से निभाया ताकि उसकी शांति, उसके उग्र होने से ज्यादा डरावनी लगे। उसका खतरा उसके आत्मविश्वास में है - वह कभी दोबारा नहीं सोचता, माफी नहीं मांगता, अपराधबोध नहीं करता। यही उसे यथार्थवादी और कहीं अधिक भयावह बनाता है।

आपने अपने करियर में कई तरह के किरदार निभाए हैं। दयानंद को दूसरों से अलग क्या बनाता है?

मैंने जितने भी किरदार निभाए हैं, उनमें से ज्यादातर में इंसानियत की एक झलक जरूर थी—कुछ ऐसा जिससे दर्शक जुड़ सकें, भले ही उनमें खामियाँ ही क्यों न हों। दयानंद अलग हैं। उन्हें आपकी सहानुभूति की जरूरत नहीं, उन्हें मान्यता की जरूरत नहीं, और उनके शरीर में तो कोई सुधार की भावना भी नहीं है। उन्हें विनाश और शक्ति का साथ पसंद है, और वे उस रूप में बिल्कुल सहज हैं। एक अभिनेता के तौर पर यही बात उन्हें मेरे लिए अलग बनाती है; वे दर्शकों को खुद को समझने का मौका नहीं देते, और यही समझौता न करने की प्रवृत्ति उन्हें बेचैन कर देती है। ऐसा किरदार निभाना दुर्लभ है जो इतना बेबाक और गहरा हो, और यह चुनौती रोमांचक थी।

आपके अनुसार ज्यादा डरावना कौन है - वह खलनायक जिसमें कोई पश्चाताप नहीं या वह जो हर काम को 'जरूरी' ठहराता है?

निस्संदेह, एक खलनायक जो हर कृत्य को सही ठहराता है। इस तरह का चरित्र न केवल आपको नुकसान पहुँचाता है, बल्कि आपको यह विश्वास भी दिलाता है कि यह नुकसान आपके भले के लिए है। माफिया सरगना, तानाशाह या भ्रष्ट नेता हमेशा इसी तरह सत्ता पर काबिज रहे हैंः विनाश को प्रगति का रूप देकर। वे लोगों को यह विश्वास दिलाते हैं कि वे निर्माण कर रहे हैं, जबकि वास्तव में वे केवल विनाश कर रहे होते हैं।

फीनिक्स पलासियो में हुआ वेडिंग फेस्टिवल फैशन शो, शादियों के सब ड्रेसेज छाईं एक ही मंच पर

- फीनिक्स पलासियो ने दिखाया शादियों का पूरा रंग-रूप, शीर्ष एथनिक ब्रांड्स हुए शामिल

- हल्दी से लेकर ब्राइडल तक, फीनिक्स वेडिंग फेस्टिवल फैशन शो में दिखा भारतीय ड्रेसेज का जलवा

लखनऊ, (जीएनएस)। 25 सितंबर, 2025: फीनिक्स पलासियो में बुधवार को भव्य फीनिक्स वेडिंग फेस्टिवल फैशन शो का आयोजन हुआ, जिसमें शादियों की खूबसूरती और रौनक को फैशन के जरिए पेश किया गया। इस मौके पर कई नामी ब्रांड्स ने अपने नए कलेक्शन प्रदर्शित किए।

बसंती, सिंध, अदा, सोच, के.सी. सूट्स, मोहनलाल संस, मान्यवर, एथनिक्स बाय रेमंड्स और पोहोर जैसे मशहूर ब्रांड्स ने हल्दी, मेहंदी, संगीत, कॉकटेल और ब्राइडल के लिए अलग-अलग श्रेणियों की झलक पेश की।

उत्सव के इस मंच पर कभी पारंपरिक नजाकत नजर आई तो कभी आधुनिक स्टाइल की चमक ने सबका ध्यान खींचा।

फीनिक्स वेडिंग फेस्टिवल फैशन शो में शादी की हर रस्म का रंग बिखरा। मंच पर हल्दी और मेहंदी के लिए चमकदार ड्रेस दिखीं, संगीत और कॉकटेल के लिए आधुनिक अंदाज के ग्लैमरस लुक्स पेश किए गए, वहीं शो का मुख्य आकर्षण रहा दुल्हन के लिए डिजाइन किए गए भव्य ब्राइडल आउटफिट्स, जिन्होंने भारतीय परंपरा और शाही ठाठ का शानदार मेल दिखाया।

फैशन शो में कुल 10 मॉडल्स ने हिस्सा लिया, जिनमें 8 महिला और 2 पुरुष मॉडल शामिल रहे। इसमें मशहूर मॉडल तान्या भटनागर ने भी अपनी प्रस्तुति से सबका ध्यान खींचा।

इस अवसर पर फीनिक्स मिल्स के रिटेल डायरेक्टर ऑपरेशन्स (नॉर्थ) श्री संजीव सरीन ने कहा, फीनिक्स वेडिंग फेस्टिवल फैशन शो का लक्ष्य विवाह की भारतीय परंपराओं और भव्यता का उत्सव मनाना है। हमें खुशी है कि इतने बड़े ब्रांड्स एक ही मंच पर आए और हर मौके के लिए शानदार ड्रेस पेश किए गए। फीनिक्स हमेशा फैशन, संस्कृति और परंपरा को जोड़ने का काम करता रहेगा।